# अभ्यास प्रश्नपत्र (2021-22 प्रथम सत्र)
# कक्षा 10 हिंदी अ (002)

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्नपत्र में तीन खंड हैं- खंड-क, खंड-ख और खंड-ग ।
- इस प्रश्नपत्र में कुल दस वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड-क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड-ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड-ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

## खंड - क

**(अपठित अंश)** **अंक-10**

I. नीचे <u>दो अपठित</u> गद्यांश दिए गए हैं। <u>किसी एक</u> गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

मौसम में बदलाव व भीषण बीमारियों के फैलने से चिंतित होकर वैज्ञानिकों ने खोज की तो उन्होंने प्रदूषण को इसका एकमात्र कारण पाया। यह समस्या विश्व-व्यापी है। कल-कारखानों, बढ़ते वाहनों की संख्या, पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई और विकास के नाम पर प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण प्रदूषण की समस्या विकराल हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय प्रदूषण को रोकने के लिए प्रयासरत है, परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि सारे काल-कारखाने बंद कर दिए जाए, या सभी वाहनों को रोक दिया जाए और हम पुन: पाषाण काल में लौट जाएँ और विज्ञान की प्रगति को ताक पर रख दें। समस्या का हल विकास को रोकने में नहीं बल्कि युक्तिसंगत उपाय खोजने में है । प्रकृति से तालमेल बनाकर धरा को हरा-भरा रखें, प्रकृति के भंडार का समुचित उपयोग करें और पर्यावरण का संरक्षण करें। पर्यावरण हमारा पालनकर्ता और जीवनहार है। पेड़-पौधे और पशु-पक्षी हमारे सहायक हैं। पार्क, बाग-बगीचे शहर के ह्रदय स्वरूप हैं। प्रदूषण रोकने में सभी लोगों के सहयोग की आवश्यकता है। गंदगी न फैलाएं, जहाँ गंदगी हो वहाँ साफ-सफ़ाई करें, अधिकाधिक वृक्ष लगाएँ और अनभिज्ञ लोगों को जागरूक करें। हमारे सामूहिक प्रयास से ही समस्या सुलझ सकती है।

प्र. 1 वैज्ञानिकों की चिंता का कारण है -

(क) प्रदूषण (ख) मौसम में बदलाव (ग) भीषण बीमारियों का फैलना (घ) उपरोक्त सभी

प्र. 2 प्रदूषण के बढ़ने का कारण आप क्या मानते हैं?

(क) बढ़ते वाहनों की संख्या (ग) बढ़ते कल-कारखाने

(ख) पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई (घ) उपरोक्त सभी

प्र. 3 प्रदूषण को कम करने या रोकने में हम क्या सहयोग दे सकते हैं?

(क) सभी वाहनों को रोक दिया जाए (ग) अधिकाधिक वृक्ष लगाएँ

(ख) सारे काल-कारखाने बंद कर दिए जाए (घ) विज्ञान की प्रगति को नकार दें

प्र. 4 सामूहिक प्रयास का क्या आशय है?

(क) एक समूह का प्रयास (ग) कुछ समूहों का प्रयास

(ख) सभी लोगों का सम्मिलित प्रयास (घ) इनमे से कोई नहीं

प्र. 5 'अनभिज्ञ' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द है-

(क) अ + नभिज्ञ (ख) अन + भिज्ञ (ग) अनभि + ज्ञ (घ) अना + भिज्ञ

**अथवा**

सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने की प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है तब जिस सुख को वह अनुभव करता है वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देने वाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दुःख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सबसे उत्पन्न आनंद ही 'उत्साह' कहलाता है। उदाहरण के लिए दान देने वाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है और वह है धन त्याग का साहस । यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया गया दान कहा जाएगा। उत्साह, आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी न किसी वस्तु पर ध्यान अवश्य केन्द्रित होता है। वह चाहे कर्म पर, चाहे कर्म के फल पर चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्ही के आधार पर कर्म करने में आनंद मिलता है। कर्म भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि उनमे साहस की अधिकता होती है। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद को अनुभव करता है सच्चा वीर कार्य प्रारंभ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। 'आलस्य' उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा होगा उसमे कार्य करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता। उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता रहता है। उत्साही व्यक्ति सदा दृढ-निश्चयी होता है। यही कारण है की एक विद्यार्थी को सदैव उत्साही होना चाहिए क्योंकि उत्साही होने पर वह अपने अपेक्षित दायित्व का दृढ-निश्चय से निर्वहन करेंगे और जब दायित्व का निर्वाह करेंगे तो सफलता उनके कदम चूमेगी और उन्हें आनंद की अनुभूति होगी।

प्र. 6 सच्चा उत्साह होता है -

(क) जो मनुष्य को कार्य करने की प्रेरणा देता है (ग) जो किसी कार्य का संकल्प लेता है

(ख) जो किसी का कष्ट को दूर करता है (घ) उपरोक्त सभी

प्र. 7 दान देने वाला व्यक्ति अपने भीतर रखता है -

(क) एक विशेष आनंद (ग) एक विशेष साहस

(ख) एक विशेष निश्चय (घ) उपरोक्त सभी

प्र. 8 कर्म भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव

(क) सच्चे उत्साही (ग) सच्चे कर्मठ

(ख) सच्चे वीर (घ) सच्चे अनुभवी

प्र. 9 उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है -

(क) साहस (ग) कर्मठता

(ख) आलस्य (घ) वीरता

प्र. 10 एक विद्यार्थी को सदैव होना चाहिए -

(क) उत्साही (ख) दृढ-निश्चयी (ग) साहसी (घ) उपरोक्त सभी

II. नीचे <u>दो</u> काव्यांश दिए गए हैं। <u>किसी एक</u> काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

कर नहीं सकते हैं कभी मुँह से कहो न यार,
क्यों नहीं कर सकते उसे, सोचो यह एक बार
कर सकते हैं दूसरे पाँच जने जो कार,
उसके करने में भला तुम हो क्यों लाचार?
हो, मत हो, पर दीजिए कभी न हिम्मत हार,
नहीं बने एक बार तो कीजे सौ-सौ बार
'कर नहीं सकते' कह के अपना मुँह न फुलाओ
ऐसी हलकी बात कभी जी पर मत लाओ।
सुस्त निक्कमे पड़े रहें आलस के मारे,
वही लोग ऐसा कहते हैं, समझो प्यारे,
देखो उनके लच्छन जो ऐसा बकते हैं,
फिर कैसे कहते हो, कुछ नहीं कर सकते हैं ।
जो जल में नहीं घुसे तैरना उसको कैसे आवे?
जो गिरने से हिचके, उसको चलना कौन सिखावे?
जल में उतर तैरना सीखो, दौड़ो, सीखो चाल
'निश्चय कर सकते हैं, कहकर सदा रहो खुशहाल।

प्र. 11 कवि बार-बार क्या सोचने को कहते हैं ?

(क) क्यों नहीं कर सकते ?  (ग) मैं क्यों करूँ?

(ख) मैं नहीं कर सकता  (घ) कोई और करे, मैं क्यों?

प्र. 12 कवि क्या कहकर मुँह नहीं फुलाने को कहते हैं ?

(क) कर सकता हूँ  (ग) नहीं कर सकता

(ख) थोड़ा ही कर सकता  (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र. 13 जल में नहीं घुसने वाले क्या नहीं सीख सकते ?

(क) पानी पीना  (ग) पानी साफ करना

(ख) तैरना  (घ) दौड़ना

प्र. 14 "मुझसे नहीं होगा" ऐसी सोच वाले कहलाते हैं -

(क) कंजूस  (ग) कर्मठ

(ख) निकम्मे  (घ) वीर

प्र. 15 खुशहाल होने के लिए क्या कहना चाहिए ?

(क) 'निश्चय कर सकते हैं'  (ख) प्रयास कर सकते हैं  (ग) कुछ नहीं कर सकते  (घ) उपरोक्त सभी

**अथवा**

हैं जन्म लेते जगह में एक ही
एक ही पौधा उन्हें है पालता
रात में उनपर चमकता चाँद भी
एक ही सी चाँदनी है डालता ।
मेह उन पर है बरसता एक सा
एक ही उनपर हवाएँ है बही
पर सदा ही यह दिखाता है हमें
ढंग उनके एक से होते नहीं
छेद कर कांटा किसी की अंगुलियाँ
फाड़ देता है किसी का वर-वसन,
प्यार डूबी तितलियों का पर क़तर
भँवर का है भेद देता श्याम तन,
फूल लेकर तितलियों को गोद में
भंवर को अपना अनूठा रस पिला
निज सुगंधों और निराले ढंग से
है सदा देती कली का जी खिला

है खटकता एक सबकी आँख में
दूसरा है सोहता सुर शीश पर
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर ।

प्र. 16 कांटा किसका प्रतीक है ?

(क) साधु (ग) दुर्जन

(ख) सज्जन (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र. 17 फूल किसका प्रतीक है ?

(क) सज्जन (ग) दयालु

(ख) दुर्जन (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र. 18 भंवर को अपना अनूठा रस कौन पिलाता है?

(क) फूल (ग) कांटा

(ख) पेड़ (घ) टहनी

प्र. 19 तितलियों का पर कौन कतरता है?

(क) मकड़ी (ग) फूल

(ख) कांटा (घ) छिपकली

प्र. 20 इस काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए -

(क) फूल और टहनी (ख) फूल और पत्ते (ग) फूल और टहनी (घ) फूल और कांटे

**खंड-ख**

**(व्यावहारिक व्याकरण)** **अंक-16**

III. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1x4=4

प्र. 21 'दयाहीन व्यक्ति पशुओं से भी बदतर है।', रचना के आधार पर वाक्य भेद है -

क. सरल वाक्य
ख. संयुक्त वाक्य
ग. मिश्र वाक्य
घ. साधारण वाक्य

प्र. 22 'यदि अकाल पड़ेगा तो जन-धन की हानि होगी।', रचना के आधार पर वाक्य भेद है -

क. सरल वाक्य

ख. संयुक्त वाक्य

ग. मिश्र वाक्य

घ. साधारण वाक्य

प्र. 23 'चाँद आया और चाँदनी छा गई।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है -

क. सरल वाक्य

ख. संयुक्त वाक्य

ग. मिश्र वाक्य

घ. आश्चर्य बोधक वाक्य

प्र. 24 'चोर ने अपने बचाव का कोई उपाय नहीं देखा।', वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा -

क. चोर ने अपने बचाव का कोई उपाय नहीं देखा।

ख. चोर ने देखा कि उसके बचाव का कोई उपाय नहीं है।

ग. चोर ने उसके बचाव का कोई उपाय नहीं देखा।

घ. चोर ने देखा कि अब उसके बचाव का कोई उपाय नहीं है।

प्र. 25 'वह हमारा मित्र है जो भाषण कर रहा है।', रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए-

क. संज्ञा उपवाक्य

ख. विशेषण उपवाक्य

ग. क्रिया विशेषण उपवाक्य

घ. सामासिक उपवाक्य

IV. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1x4=4

प्र. 26 'भगवान महावीर ने अहिंसा पर जोर दिया।', इस वाक्य का वाच्य लिखिए-

क. कर्म वाच्य

ख. भाव वाच्य

ग. कर्तृ वाच्य

घ. करण वाच्य

प्र. 27 'मुझसे दौड़ा नहीं जाता।', इस वाक्य का वाच्य लिखिए-

क. कर्म वाच्य

ख. भाव वाच्य

ग. कर्तृ वाच्य

घ. करण वाच्य

प्र. 28 'शिक्षक द्वारा पढ़ाया जा रहा है।', इस वाक्य का वाच्य लिखिए-

क. कर्म वाच्य

ख. भाव वाच्य

ग. कर्तृ वाच्य

घ. करण वाच्य

प्र. 29 'वे यह दृश्य नहीं देख सकते।', इस वाक्य को कर्म वाच्य में बदलकर लिखिए-

क. यह दृश्य वे नहीं देख सकते।

ख. यह दृश्य उनसे देखा नहीं जाएगा।

ग. वे यह दृश्य नहीं देख सकते।

घ. उनसे यह दृश्य देखा नहीं जाता।

प्र. 30 'रोगी से रात भर सोया नहीं गया।', इस वाक्य को कर्तृ वाच्य में बदलकर लिखिए-

क. रोगी रात भर सो नहीं सका

ख. रात भर रोगी से सोया नहीं जाएगा

ग. रोगी से रात भर सोया नहीं गया

घ. रोगी द्वारा रात भर सोया नहीं जा सकेगा

V. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1x4=4

प्र. 31 '<u>श्याम</u> विद्यालय जा रहा है।', वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है -

क. संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

ख. संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

ग. संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन पुल्लिंग, कर्म कारक

घ. संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्र. 32 '<u>हमलोग</u> पढ़ाई कर रहे थे।', वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है -

क. सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुरुषवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

ख. संज्ञा, अन्य पुरुष, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

ग. सर्वनाम, गुणवाचक, मध्यम पुरुष, बहुवचन पुल्लिंग, कर्म कारक

घ. सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्र. 33 'बच्चे क्रिकेट <u>खेल</u> रहे हैं।', वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है -

क. क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल

ख. क्रिया, सकर्मक, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल

ग. क्रिया, सकर्मक, एकवचन पुल्लिंग, भूत काल

घ. क्रिया, अकर्मक, बहुवचन, पुल्लिंग, भूत काल

प्र. 34 'मैं गेंद से खेलता हूँ।', वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है -

क. संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

ख. संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, सम्प्रदान कारक

ग. संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन स्त्रीलिंग, करण कारक

घ. संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्र. 35 'वाणी की मिठास प्रसंशनीय है।', वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है -

क. विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग

ख. संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग

ग. विशेषण, संख्यावाचक, एकवचन स्त्रीलिंग

घ. सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग

VI. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1x4=4

प्र. 36 'शोक' किस रस का स्थायी भाव है?

क. करुण रस

ख. हास्य रस

ग. वीर रस,

घ. रौद्र रस

प्र. 37 'शांत रस' का स्थायी भाव है -

क. निर्वेद

ख. घृणा

ग. क्रोध

घ. भय

प्र. 38 'रसराज' कहा जाता है -

क. करुण रस को

ख. श्रृंगार रस को

ग. वीर रस को

घ. हास्य रस को

प्र. 39 'हा! हा! भारत दुर्दशा देखि न जाई' - में रस है -

क. करुण रस

ख. हास्य रस

ग. श्रृंगार रस

घ. वात्सल्य रस

प्र. 40 'रे नृप बालक! कालबस, बोलत तोहिं न सँभार', में प्रयुक्त रस है -

क. रौद्र रस

ख. हास्य रस

ग. वात्सल्य रस

घ. वीभत्स रस

**खंड - ग**

**(पाठ्य पुस्तक)** **अंक-14**

VII. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

मूर्ति संगमरमर की थीi। टोपी की नोंक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फूट ऊँची। जिसे कहते हैं 'बस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौज़ी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो ....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। चश्मा तो था लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कसबे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फ़ैल गई। वाह भई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की लेकिन चश्मा रियल !

प्र. 41 मूर्ति की ऊँचाई थी –

क. एक फूट

ख. दो फीट

ग. तीन फीट

घ. चार फीट

प्र. 42 मूर्ति नेताजी की थी। 'नेताजी' से आशय है -

क. महात्मा गांधी

ख. सरदार पटेल

ग. सुभाष चन्द्र बोस

घ. भीमराव अम्बेदकर

प्र. 43 हालदार साहब को मूर्ति के लिए कौन-सी बात खटकती थी?

क. मूर्ति पर चश्मा नहीं होना

ख. मूर्ति पत्थर की लेकिन चश्मा रियल

ग. मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा होना

घ. मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा नहीं होना

प्र. 44 मूर्ति को देखते ही हालदार साहब को क्या याद आने लगता था?

क. स्वाधीनता संग्राम के दिन

ख. 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो ....' आदि

ग. सुभाष चन्द्र बोस

घ. महात्मा गांधी

प्र. 45 मूर्ति पत्थर की लेकिन चश्मा रियल ! इसपर हालदार साहब की क्या प्रतिक्रिया थी?

क. परेशान थे

ख. उदास थे

ग. अचंभित थे

घ. इनमें से कोई नहीं

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x2=2

प्र. 46 बालगोबिन भगत ने अपने बेटे का अंतिम संस्कार किससे करवाया ?

क. बहू से

ख. बेटी से

ग. मित्र से

घ. पडोसी से

प्र. 47 बालगोबिन भगत स्वाभाव से थे-

क. साधू

ख. गृहस्थ

ग. मज़दूर

घ. जमींदार

IX. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए - 1x5=5

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ दास तुम्हारा ।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा । न त मारे जैहहिं सब राजा।।

प्र. 48 सहस्त्रबाहु किनका शत्रु था?

क. राम का
ख. परशुराम का
ग. लक्ष्मण का
घ. विश्वामित्र का

प्र. 49 'सो बिलगाउ बिहाइ समाजा' किसकी उक्ति है?

क. विश्वामित्र मुनि की
ख. वशिष्ठ ऋषि की
ग. परशुराम ऋषि की
घ. भृगु ऋषि की

प्र. 50 शिव का धनुष किसके द्वारा तोड़ा गया ?

क. परशुराम के द्वारा
ख. लक्ष्मण के द्वारा
ग. राम के द्वारा
घ. विश्वामित्र के द्वारा

प्र. 51 शिवधनुष के टूटने पर परशुराम की क्या प्रतिक्रिया थी?

क. वे शांत हो गए।
ख. वे क्रोधित हो गए।
ग. वे हँसने लगे।
घ. वे मुस्कुराने लगे।

प्र. 52 'अरि' शब्द का अर्थ है -

क. शत्रु
ख. पुत्र

ग. भाई

घ. मित्र

X. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x2=2

प्र. 53 हारिल की तुलना किससे की गई है?

क. गोपियों से

ख. लकड़ी से

ग. उद्धव से

घ. श्री कृष्ण से

प्र. 54 उद्धव किसका संदेश लेकर आए थे?

क. नंद का

ख. कंस का

ग. बलराम का

घ. कृष्ण का